

同胡江鎮城東在局總館本
內門西廠琉璃城外在局分
界奧東河在局分津天

PEKING DAILY NEWS,
EAST CITY.

本行出售老美孚煤油零整發莊東安門外市場南邊路西
信隆洋行謹啓



本行新到鹿牌牛奶由外洋揀選上等牛奶等上白糖合成入罐發售在北京各處售賣此牌牛奶小核食之無得最養身體如蒙主顧在代售處實瓶考比將代售各號列下
東安門外增盛號 東安門外同泰石 霞公府口外永記 鐘糧胡同利豐 蘭市口和豐號 東四牌樓永和東棧 丁字街增順祥 西城源豐西棧 前門外布巷子福聚厚 後門外慶豐號 西城聚盛德 西珠市口祥記棧 前門大街內和 花市大街泰來棧 崇文門內天盛長 後門外順豐棧

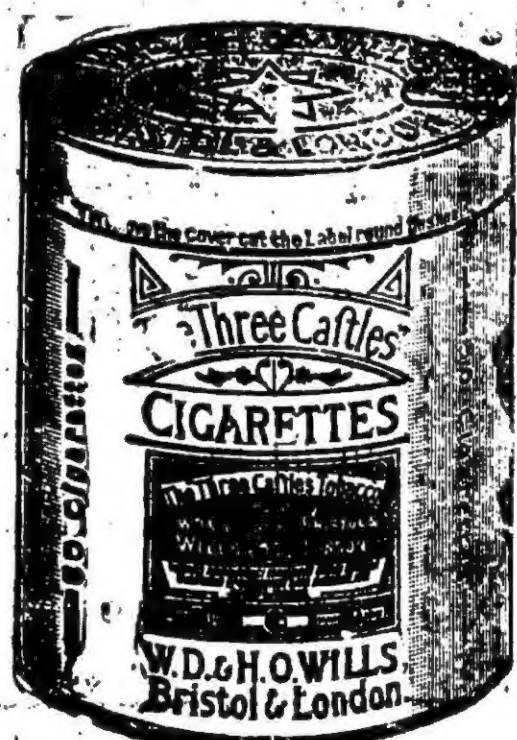
● 崇文門內大街 ●

本行新到阿拉廷燈此燈用煤
上如學堂衙署車站客廳飯莊
戲園用此燈最爲合宜有一千
光有三百燭光每點鐘僅須洋
分懸掛中庭輝光滿室軍學界
外用寒暑并盛食物湯茶准四
點鐘不寒如用多者價值從廉
辦軍械機器皮壺以及各樣雜
樣本俱全欲購者請到本行一

啓者本公司議在唐山新廠擴充新機計需成本行本洋一百五十萬元儘原股東認附一半其餘一半呈請郵撥

股龍銀五十元分三期收欸第一期二十元本年六月底截限第二期十五元七月起至年底截限第三期十五元次年正月一起至六月底截限其一期全交者聽照章自交欸之次日起息兩月以來所有原股東認附一半紛紛挂號業已足額其餘一半除呈請 郵商兩部酌附外各鐵路公司亦頗踴躍認附如有遠省鐵路公司願附新股者務請將認定股數迅速函示挂號註冊以免額滿向隅至每期交欸均給憑單爲據另刊有招股簡章並附預算清單祈隨時向天津海大道本公司索閱可也此布

(馥 馨 公 司)
崇 文 門 內 麻 線 胡 同



其清興鐵罐五十支又圓包
廿支均滑香適口不損不壞

向本公司各經售家均可批發零售

啓者現有最新
一等奧利法打
字機器出售凡
一切應用物件
無不齊備新式
堅固價值公道
如有舊機器者
欲換新機器者
皆格外克己如
蒙賜顧請向
天津英界公昌
洋行詢問均可

天津大來頭
等外國酒店
本酒店設在天津法界有
十餘年久蒙中外仕商嘉
獎現下復從新改良建築
式私房四四十餘間通新
通尤且麗雅飾內設電燈
電風扇及冷熱水水管等
一應俱備另有招茶餐樓樓
房書房花園酒樓等無不
美備並備有洋人通曉中
國官語文之者以便隨時
一切仕商光顧無不週到
電話一千三百七十九號
本酒店謹啓

水露花地梨流付製監烟文林



林文烟之花露水其精香異常效
驗無比久已馳名中外較之別種
花露迥然不同近有無恥之徒製
造偽貨混冒售銷務望 賜顧諸
君仔細謹防須認明林文煙真貨



招紙係洋畫泉水花鳥蝴蝶等樣
下有英文 Murry & Lauman 爲憑庶不
致誤欲購者請向各股實行號等
買如蒙批請至專一代理販賣之
上海老晉隆洋行可也

本行專辦五金雜貨軍械機器美國
松木油木坤甸木及各等木料俱全
香港洋灰瓦隴鐵板一切均能代辦
定期不悞價值格外克己或批或買
請至六國飯店本行賬房或請到前
門外西河沿內排子胡同山左宋寓
面議皆可並經理中華火燭保險公
司等事

白話簡報改期出版

再本報因事改於月底出版俟有確期
行佈告白話報館啓

[illegible]

北京琉璃廠西門內
路北商務
印書分館
電話南局
三百零二
號

官門鈔

七月初七日 度支部 宗人府 正白旗值日
段祺瑞由保定府回京請 安並謝 賞
頭品頂戴 恩 伊黎副都統額勒渾
訓 道府蔣積文等謝 恩 恩順假滿請
安張緝光同候 召見 王履康 軍諮處
各遞封奏一件 召見軍機 澤公 額勒渾
張緝光
本日已刻在
養心殿覲見義國使臣巴厘理 統領遠東海
軍提督薩爾瓦 頭等參贊博蘭璧拉 漢務
參贊世襲男爵威達雷 衛隊統領海軍遊擊斯
巴呢雅 使館醫官海軍都司雷拉 海軍都司
柏迪呢 海軍都司巴那瓜 海軍都司索
瑪迪 海軍守備干達彌 海軍守備杜爾
海軍守備達蘭迪呢 海軍守備葛拉那呢
海軍千總都魯格

諭旨

監國攝政王鈐章 七月初七日內閣奉
上諭直隸保定府知府員缺緊要著該督於通省
知府內揀員調補所遺員缺著閔荷生補授欽
此 軍機大臣署名奏劄世續傳霖那桐
吳郁生

交旨

七月初七日
監國攝政王鈐章 軍機大臣欽奉
諭旨御史王履康奏請通厘訂國家稅地方稅
年限並將國稅提前規定一摺著該衙門知道
欽此 軍機大臣署名奏劄世續傳霖那桐
吳郁生
監國攝政王鈐章 軍機大臣欽奉
諭旨度支部會奏請將川省經徵稅契案內之司
道獎敘一片四川布政使王人文著賞給頭品
頂戴候補道徐繼畲交軍機處存記欽此 軍
機大臣署名奏劄世續傳霖那桐吳郁生

六月份分發給看人員學簽名單中嚴家幹
民政部李克蕃法部劉貽善民政部員外郎張
繼宗民政部張鏡第法部編譯法部主事陳怡
審法部王太森法部劉元度支部楊孔鑑法
部張王林郵傳部孫多職民政部朱俊民政部
祝開源郵傳部陳慶度支部王先補郵傳部蔡
度支部周有章度支部王應恩度支部司務
劉述曾民政部于典學部
旨慶生著著以侍衛用滿給事中員缺著貴秀
補授內閣中書員缺著春霖補授知府學
部郎中張緝光著照例用俸滿前廣東陸豐縣

論說

訓道陳元耀著以知縣用擬補內閣中書桂泉
福紳李海恩月選江西袁州府同知聯治山西
大同府同知高通判劉昌吉陸軍部筆帖式繼潤
借補吏部宗室額缺員外郎德興俱著准其補
授分發河南試用道蔣積文江西試用道胡上
襄江西試用知府徐士毅湖北試用知府劉廷
鑽俱著照例發往欽此

重民說

泰西學者。研究人民供給納稅之義務。例之
為保險費。謂夫人民不能自衛。故各出其
須之費。集合以納諸國家。國家集合其所得
之費。分設官吏。為之治理。訓練軍隊。為之
保障。惟彼人民。所費無幾。而得國家之保
衛。以獲平安。而享幸福。故人民樂輸將。捐
棄財。不以為苦。要求征取。不以為虐。
此西方學者研究有得之言。揆厥實情。皆
根據。實為井田法以外。特于國家征糧與
人民納稅之間。核出一至平允之理由。彼
官吏者。若其并此理由而不知。則愧然其為
官吏矣。如其知之。則必盡法以保平安。而
後此保險公司之名譽。可以不壞。賠償務期
迅速。而後此保險公司之買賣。庶廣招徠。
如何訓練消防之隊。而後猝遇火險。不至憂
延。如何設法消患未然。而後無甚出險。而
得溢利。苟其不然。則公司必至虧折。買
賣必至寂寥。今之為官者。其亦當夢想及此
乎。受人魚肉。肆彼欺凌。今日奪山。明日
割地。小民之吞聲忍氣。蓋已久矣。然猶曰
海陸軍備之未完。提鎮協標之廢物。勾踐臣
妾之辱。徵餉子姪之稱。無可如何也。乃至
民間劫掠之案。一縣之中。日數十起。地方
文武。如盲如聵。迨至事主稟報上官。猶有
最可笑之批云。(官之衛民不如民之自衛)然
則民之養官也何益。官之自視也何居。不幾
令人噴飯歟。此等批語。蓋出諸吾國所謂上
等之好官。其造批者。聞亦出諸高明之良幕。
而其見地乃如此。則其下焉者可思矣。故
吾國地方大吏。直可以土木為之。取其公正
而清廉。端坐堂皇。連飯也不用吃。其公正
之掌櫃充之。懂得收錢。懂得出賬。斯已可
矣。掌櫃之出入賬目。尚或不能不清楚。否
則無以對東人。不若州縣之上下其手。中飽
自肥。掌櫃或好好對待客人。招徠買賣。
不若州縣之作威作福。苛虐人民。由此言
之。彼州縣者。實舖店中掌櫃之不如也。凡
此皆一般官吏。其心目中以為官之階級高于
民。官之分位貴于民之所流毒也。孟子曰。

要件

民政部咨行各省第一次查報戶數表冊文

為咨行事理。理司案呈本部於宣統元年閏二月
二十三日具奏。旨安撫逐年籌備未盡事
宜。清軍內開宣統元年督催各省將該省會及
外府所屬各首縣商埠地方戶口總數照章調查
一律報齊。又各省第一次查報戶數清冊
各等語。均奉 旨。允。欽遵。通行在案。茲據京
外各處陸續報到。各省會同第一查報戶數
督撫將軍都統查辦備案。可也。須至咨者。
京外各省報部戶數總表宣統元年第一次查報
別開列

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 駐防 | 各 | 旗 | 族 | 八 | 旗 | 族 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 | 屬 | 各 | 府 | 所 |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

求已書畫

潤例列於十二家書樣本每冊六角
橫濱總發行所南橋店 文明書局 發行

北御河橋皇城隴角

神戶 三菱造船廠

工場地基 拾萬坪
職工數 貳千五百餘名
浮船渠 浮揚力七千噸壹基
海難救助船 有馬丸(叁百零五噸)
主要製作品 各宗船舶修理新造。陸用船用各宗機械
汽機及電氣機械
特許製作品 與長崎工廠相同

日本 三菱公司

主要 銀行業、礦山業、造船業
事業 礦物製煉及買賣業、運送業等

社長 男爵 岩崎久彌
副社長 男爵 岩崎小彌太
本社 大日本東京市麹町區八重洲町
所在地

長崎 三三菱造船廠

工場地基 拾叁萬玖千坪
職工數 壹萬餘名
船渠及船架 乾船渠叁基、船架壹基、而第叁乾船渠係蘇士以來最大者
海難救助船 大浦丸(七百拾六噸)
主要製作品 郵便、旅客、貨物、石油槽、汽船、運搬汽機、快遊船、各種兵船、各種汽機汽鍋、及電氣機械
特許製作品 巴遜斯式透氣機(Parson's turbine)同式發電機、斯通式透氣機(Stone's Mangnese Broze)公杜拉普羅式汽機(Contrails Condenser)
既造船 共總貳百餘隻約二十四萬噸此中如天津丸地洋丸者總噸數各壹萬肆千噸速力貳拾壹海里現今航於太平洋洋運搬式火輪船以該輪為嚆矢

江西廣信府上饒縣
甘溪鎮八房場署崔
振聲君之保證書

五洲大藥房主人鑒敬啟者去春內子產後失調乳清且漏異常瘦弱正醫藥維艱之際適甘溪鎮會董吳怡和信號主耀堂君購有大瓶自來血姑分半打試服未及三瓶前症頓減接服完乳血濃固精神倍增於以信 貴藥房自來血誠補血強種之聖劑也是冬余患寒症幾危蒙醫醫孫君錫回春妙手立起沉痾據稱操勞過度氣血大虧非服自來血不足為功因起購小瓶自來血一打惟時 老母因余病過慮項右多年所患似瘵非瘵突然腫大抽痛漸至喉際氣悶心煩亦因孫醫言服自來血不七日而腫消過半余母子均獲強盛本水本源難忘 盛德茲乘託吳君購藥之便特叙原委以誌感謝再衛生指南保證書各寄數本郵遞江西廣信府上饒縣甘溪鎮八房場衙門交收為禱專此即請 春安 宣統二年三月朔日 崔振聲頓首

江蘇崑山高等小學
校馮菊如君之保證書

五洲大藥房主人台鑒茲啟者弟去歲七月初到學堂內兼校體操太過九月間忽起咳嗽痰中帶血請名醫診治服藥少有見效而飲食少進時常頭痛四肢乏力今庚開學之後禮拜日同學友游山忽然此病復發承太倉做友問冠君購來 貴藥房自來血二瓶服藥果然效驗諸病痊愈飲食多進弟本欲前來感謝因學務忙碌未克分身故來函告知代懇可速登報聲明鳴謝種費勞神容當面謝即請 諸執事先生台電馮菊如頓

治病壯身之自來血

江西蘇州府署
西周卿君之保證書

五洲大藥房主人鑒敬啟者余於四年前入陸軍學堂肄業其時係以武而氣血虧損咳嗽好動而身體極其虛弱幸蒙 貴藥房自來血之險途非中藥石所能濟事且命於度外矣適為病友趙君自金陵返松道經滬上購得 貴藥房自來血數打來送於余服至數日頓覺精神清爽爽爽至三瓶告罄轉日形容煥發之軀已為康健之體矣再感 貴藥房之德自來血之德端以鳴謝忱且以上達伏希 登報勿交臂失之也此請 壹安 四月二十一日 鄧人周卿頓

浙江慈溪縣橋路橋路橋路
議董安嶽候補巡檢承裕
學堂地理教習貝寶慶之
保證書

五洲大藥房 謝雅堂大執事先生鑒敬啟者鄙人身體素虧兼之用事過勞以致精力漸衰不料於去冬忽患重病症患四肢麻木繼則面黃羸瘦夜夢遺精雖有中西名醫診治病勢莫能稍減上月間微親劉紹康來舍談及上海五洲大藥房之人造自來血功效甚大能治百病鄙人聞之不勝喜幸當託胡玉林信客出申至 貴藥房購得兩瓶照法服之不意未及數日果能強健後仍託該友購來半打服之果然百病若失運來頗開心樂尤覺腦力增加易勝欣感此乃 貴藥房之再造之功將來為萬國九州第一靈驗之妙品也願我同胞有患同病者速購此妙藥萬勿錯過機會鄙人若無自來血有功已早歸陰府矣本當登門一謝緣敝會開會在即不克前來改日准當親謝今先特奉字申謝望即登各報以告全球之同胞耳肅此順頌 道安 貝寶慶頓首

諸公賜顧須認明全球商標為記內附五彩認真券一張值洋一角方不致誤
小瓶二元 大瓶二元 每打二十二元 總發行所上海四馬路老巡捕房對門五洲大藥房
北京經售處 前門外 華英大藥房天津 老紀大藥房 各大藥房均有寄售

●電話總局七百八十八號●

北京華商集成圖書印刷公司廣告

本公司自備頭等五印印刷機器專印各省銀行銀洋鈔票錢票股票仿帖圖畫報章並一切中西書籍無不精益求精以完美紙張之潔白印刷之精良願蒙中外官紳學商各界所嘉許今又聘到外洋頭等技師用機器精刻鋼版銅版四凸版照相版玻璃版電氣版鉛版一切俱全兼售各種印刷機器鋼模銅線鉛字花邊各色洋紙洋墨以及印刷材料名目繁多不及備載如蒙光顧價值格外從廉凡有重要印件請即駕臨面議或由電話通知敝公司即當派友來前接洽如有定貨等情限日取件亦不誤期 賜顧者請至崇文門內船板胡同本公司可也特此佈告

本公司謹啟
(電話總局五百八十五號)



再催前購廿四史

光緒朝東華錄

預約券者速速持券取書幸勿再遲此佈

北京崇文門內船板胡同集成圖書公司啟

平肝和胃

秉佐臣輔卿為太祖高皇帝九世孫正白旗四品京堂博通經史年四十歲日前本局代表曾造其府得聆其自述當日病狀服韋廉士大醫生紅色補丸獲愈之情形謹錄如左云余三年前當患肝胃氣痛之症勢甚劇烈身軀日瘦氣力漸衰常覺疲倦不堪疼痛難忍終日懨懨與趣索然胃閉無味稍食微物非惟莫能長力抑且更覺弱胃受此慘苦歷有年餘已屬難堪而又加以哮喘咳嗽痰吐等症竟使人無怡樂之日嘗就診於施醫局西醫士司伊君雖獲暫愈未幾復發既而西醫旋回英國爰乃商請奉天中西大藥房李久華君據言韋廉士大醫生紅色補丸曾治此種疾病不知凡幾力勸余試服之且李君深信此丸必能療治余疾

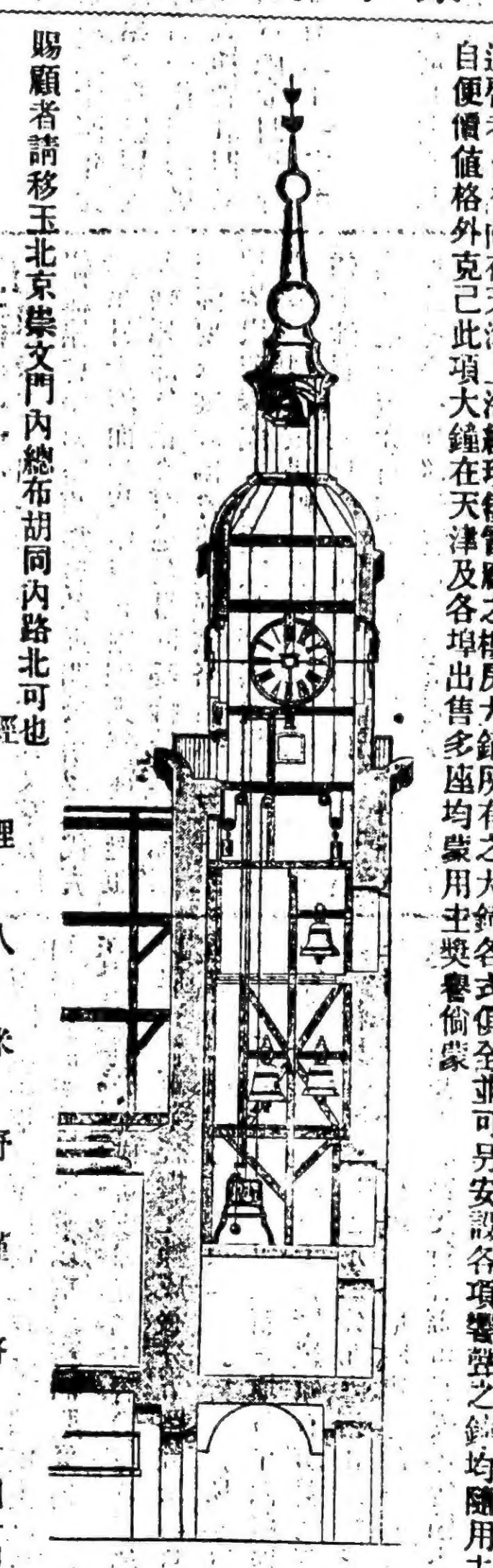


注意能故竟蒙惠贈三瓶余受而服之覺有轉機用是耐心連服迨至兩月諸疾霍然從此肝胃氣痛哮喘咳嗽絕無復發較之未服韋廉士大醫生紅色補丸之前精力更勝十倍矣余每念此丸之奇功心甚感激願將余言登諸報端俾世之有同病者知所問津焉韋廉士大醫生紅色補丸所以名馳大陸為醫治肝胃氣痛哮喘咳嗽之聖藥者即其所生稠濃鮮紅之新血養飲身體各部補益全體筋絡使之復元康健之故也是丸常以行血中之力醫治無數所患各症即如 血薄 諸虛百損 少年虧損 陽萎不舉 腎骨疼痛 山林瘴氣 風濕骨痛 腎臟酸痛 左癱右瘓 腳氣衝心 乾淫癰癩 癰癩疥癩 皮膚炸裂 以及少壯婦女月信不調等症服之則更見其神妙也中國各處商店藥房凡經西藥之處均有出售如內地無從購買或向四川路八十四號韋廉士大醫生藥局中國總發行處購買或向四川重慶白街分行購買亦可 價銀每一瓶大洋一元五角每六瓶大洋八元 遠近郵費一概在內



上海四川路第八十四號韋廉士大醫生藥局啟

VON DURING, WIBEL & Co. TIENTSI - SHANGHAI 告廣行洋華榮



運啓者敝行向在天津上海經理德俄德之樓房大鐘所有之大鐘各式俱全並可另安設各項響器之鐘均隨用主自便價值格外克己此項大鐘在天津及各省均出售多座均蒙用主獎譽倘蒙賜顧者請移玉北京崇文門內總布胡同內路北可也

經理人 米 野 謹 啓

器機聲留良改廠布倫可

北京經售處前門外小將家胡同源順和並各洋貨莊均有發賣
上海博物院路廿二號總經理者普隆洋行啓

本行自造本牌字號創設此表名曰閱克馬表
知中外七十餘年遠近馳名今將本牌字號登報週知十官客商請認真有



有吸煙水



博士 徐景文來京

文先生為美國醫學博士通曉英法德各國研究醫學三十餘年因京師醫務局聘為顧問凡有牙患無不遠道而來診治無不藥到病除現因事來京在天津法界長發棧東頭路南 崔永安 李德方 良弼 梁誠 徐華清 麥信堅 同啓

為香樓西飯館

開設天津南市慎貼大街香遠園對門 洋樓電燈發賣罐頭 飲食洋酒汽水各式洋點心俱全包辦英法大菜全餐每位大洋七角五分大餐八式每位一元

陸地神仙
湖南陸士周君南先生道號龍山樵曾謂天下者為日在京所談王公相品歷歷不爽海內馳名久矣後游外省必經士商並各道謝名號列各報屢以之地神仙呼之即言所相盛宮保各稱李尚書端方一吉一凶鏡君頓首焉君伯若尹君佩芝三主考 得一失無不奇中況乎知謂同之遺道員唐方正之水龍飲使周榮曜之抄家以及某老耆動退不信必出軍機皆敢直言於先也且補四川成道道黃君若軒成都將軍馬君明山湖北巡撫道馮君若竹上海道蔡君若煥天津道洪君翰香及天津府黃君若如並文員署署春總領現任湖南撫院均曾批定身身如神是固君若人固多不可勝數而相死年事雖數人乏耶現移住前門外延壽寺街三眼井路南華書局對門因特誌之但木下問津者有緣得遇否也

英製造銀票及各種票據之最大公司
啓者本公司設在美國紐約地方百有餘年印刷雕刻工作精美久已五洲馳名善用銅版精刻各種銀票紙幣國債股票股份票郵票郵局匯票國家銀行股份利息票與一切各種之票據雕刻既精印刷尤美極難假冒所用之紙皆係上等紙料紙張之顏色與及印刷之顏色永不變色無論各種顏色皆可印於紙內暗藏精美之水印票上文字無論各國文字及中國文字無有不可凡各種票據之工與印刷之工俱照紐約股份買賣總局之章程辦理凡與本公司往來書函何種文字或中國文字皆可本公司屢代美國各省政府各國政府及各商家製造各種之票皆極妥善凡北美洲南美洲中國日本歐洲各處皆曾代製造全球馳名中國大清銀行現亦托本公司代印銀票中國政府之郵票亦曾代印 官商光顧請寄函至紐約本公司商訂可也

製造紙票最大公司 AMERICAN NOTE CO. NEW YORK, U.S.A. 啟



商標註冊
各處發賣洋貨莊及以各洋貨舖
乾果子店均有如其他處無貨者
請至東安門外市場南邊路西
一〇一四
購買
可也
本總銀行代理行及
各處銀行謹啓

羅協理反向濫支薪水人謝過○粵路南北購地局宋潘兩人濫支薪水夫馬及經宋俊堂函請羅協理董事等會議面稱六十元三十元之數由龍參議當羅協理面議之面所定惟羅等謂均謂並不聞有其說茲聞昨日昨羅協理忽接購地總管周麟台函交紅箋字條一紙據稱係前奉龍參議交下者其中所書大意係言每一分局用委員一人幫購員一人書記一員若若干人各該員薪水應由總協理董事商定宋潘兩員出日夫馬三元惟羅協理之下旁註六元三字並無夫馬三元字樣且此字塗抹鈎劃甚多似非一人手筆羅接閱後即向宋潘等謝過不遑日對不住對不住現宋等要求公司登報表白以保全名譽並自後委員幫購員等夫馬隨支隨報等語羅惟唯唯聽命查公司用人向由總理董事主權羅謂為查辦人員豈能越俎姑勿論此字是否為龍所交設或然也而總理董事全然不知且未經商定亦無正式之函件焉能即以作准況宋潘不遠函電可至其中情形何難函問何為見此塗抹鈎劃之字條便慌忙謝過至夫馬一項自後任隨支隨報漫無限制更無所底止矣

各國新聞

英國中國食品已通行於英京○中國人在英國各埠所設熟食館有李鴻章雜碎一味西人嗜嗜之業此者獲利不少今閱西報載此風已盛行于英京的文街有中國熟食館高挂金龍招牌每晚戲院開演之前散衆之後倫敦英人紛紛到該館小酌無不以雜碎為獨一無二之食品在美國則不設刀叉在英國則雖仍設刀叉而各客均喜用中國之快箸有食物至口而落者而彼等不停于嘗試也該館主張姓常語人云彼能在數分鐘內包教識用快箸之法英國婦女近今已多習熟均由該館而來我中國食品均在廚內切製完妥實無所用刀叉比之西餐省時不少云云西人現亦從事於改良飲食之法我中國人能不為變通富者每人每份餐者亦可公認公署勿使棄人涎沫彼此傳遞衛生之道未嘗無補也

路透電報成立之歷史○路透電報與克虜伯砲廠始可並駕齊名然其為術似猶不免有國人之失人之異路透亦世界之一大偉人乎路透原籍日耳曼一千八百十六年生于黑塞加塞耳(日耳曼聯邦之一)繼轉入英籍于八百四十九年始在德國創立電信局後淡經營僅以成立漸次發達今其分局遂遍全球本為一姓之業至一千八百六十五年改為路透電報有限公司路透自為總理于八百七十七年德意志皇帝以其勤勞賜予男爵越七年而休職以其子繼之此路透電報歷史之大略也自一千八百二十年丹麥學者發見電氣能感動磁針之理越十年英國學者始而製

路透電報又至一千八百四十四年英國始實用電線通而歐洲大陸則於一千八百四十九年乃做用電線由柏林至愛拉赫耳耳此電線已通路透受拉赫耳耳先是路透少時居黑塞加塞耳其父執所設之肆為鈔幣而時歐洲研究電學者日盛有專門電學教授高斯與善交頗投契路透因得電術之秘奧及愛拉赫耳耳之立也其志願甚大以為電線所通之地有限而人皆所欲傳之信息無窮于星羅派代理人于各大都會廣傳其信其信以快世人之聽聞其線未及者以鴿傳之或以驛馬代之或寄快船以航海多設機關為之輔助歐洲之設報館發行新聞紙固已久矣然至十九世紀下半期而報界始蔚然放異影有不翼而飛不脛而走之概則實受路透電報之澤不抄也當一千八百五十年之前歐洲各報館傳遞各地消息異常艱苦偶有所得亦所費不貲如報紙最發達者為英國其時倫敦報界欲得外省消息皆藉驛馬遞遞(鐵路火車之製亦自一千八百五十年後而各國尚絕少速度亦不大)其驛馬每一小時能行十二英里者則各報必大書曰此消息得之最早以每時行十二里之速力傳至者也又或曰吾報所得消息至早他報未曾有也而明日他報或駁之曰某報自命得消息最早其實已居人後其消息歷若干時始傳得彼云若干時者偽也諸如此類足徵當時報界傳遞消息固至不易矣路透電報局成立即首為各報傳遞消息惟入陸各報紙輒為政府之干涉拘束路透患之於一千八百五十一年遷其愛拉赫耳耳之電局於英國之倫敦

日本

日本注意中俄貿易○現行中俄陸路貿易章程凡由俄國陸路輸入中國之商品應課一切稅金比於海關稅可減三分之一俄商利用此特典通過海關輸入北滿地方之貨物近年益見增加我國之不利殊甚日前我國政府以該條約之改訂期限已近擬改正該條約除刪不利之諸條特通知駐京俄公使開始交涉早見中外各報矣茲悉俄國政府不但不允且欲利用此機會更進而擴充其權利故該交涉迄今未能解決日本政府以為中日兩國間不久可將滿洲國境貿易條約屆時即應依據中俄條約之特典為基礎故該貿易問題之如何進行日政府異常注意

日人將設無線電○日人於無線電報極為注意在南滿地方早有置備之心奈未得合宜之地現據日政界云將在鐵嶺旅順及安東三處試辦電機工程師定於日內起身先行勘測按無線電報應用於泰西各邦已久早定有聯絡取締協約以保守利權吾國上年收回各地外人設立之電線此項無線電報亦曾列入專約日人何得昧然行運作違約之舉動或傳者之失實歟
美國之飛行條約○陽曆七月九日桑港

電合衆國與墨西哥兩政府議結空中飛行條約現在交涉中又云亞利查非洲與墨西哥間現已議用飛行艇運送物兩政府之代表者因之深受刺擊希望該條約之速成免有意外墨西哥政府對其議案已有贊成之意通知於美國政府云並謂該條約之內容係規定兩政府之飛行器登陸及國境通過之關稅品調查區域等其餘關於飛行限制諸問題亦經議及歐洲列國政府對此條約皆極注意

年來花柳之病

奏功効之一大鐵證

第一信

敬啓者前日承贈治花柳濁毒之新法感謝感謝茲由郵滙洋十一元二角
醫生清血補身丸六瓶并大瓶順天治瘡散（或治瘡膏）一瓶祈即費神
內双龍巷周百花查收可也 貴公司諸執事大人台照並請 財安不一
再啓者隨附該藥不知可有發票否如無發票請另贈一份隨藥寄至以便病者每

第二信

身丸六大瓶首服一瓶稍見其藥之功效身體更覺清爽弟歡喜非常於是獨前症不爲發現而于身體大得強固然今前症雖不爲發出亦于常常服補身丸之好處又可保持身體兼能于吹噓之時作爲確證之意乃于世上丸之聖藥茲特前患之症詳明於下弟于年壯之時不惜身體耽于酒色濁症而服藥直治其後頭痛脫髮眼矇而花咽喉枯焦聲音嘶啞記憶乏力體骨髓作痛飲食不進臉色蒼白等等前遇一位醫生說是染及花柳症以一朝一夕斷難施其藥劑云々其後苦度六個多月乃得哈郎大醫生清血其症于我身之外清血補身丸正是我之性命再生之父母今特致書道向友吹噓清血補身丸之靈驗功效之大將終身而不更我之志以報大德道安

弟周百花頓首 宣統三

浦血補身丸藥價
大盒洋二元
六盒洋十一元
小盒洋一元二角

寄售所

| | | | |
|--------|--------|--------|--------|
| 天津河北大街 | 天津北馬路 | 天津估衣街 | 北京東單牌樓 |
| 大藥房 | 大藥房 | 大藥房 | 大藥房 |
| 華英大藥房 | 華英大藥房 | 華英大藥房 | 華英大藥房 |
| 北京觀音寺街 | 北京大柵欄 | 北京大柵欄 | 北京大柵欄 |
| 外元昌大藥房 | 外元昌大藥房 | 外元昌大藥房 | 外元昌大藥房 |
| 小西門 | 小西門 | 小西門 | 小西門 |
| 保定府 | 保定府 | 保定府 | 保定府 |
| 山東大藥房 | 山東大藥房 | 山東大藥房 | 山東大藥房 |
| 華生大藥房 | 華生大藥房 | 華生大藥房 | 華生大藥房 |
| 怡和洋行 | 怡和洋行 | 怡和洋行 | 怡和洋行 |
| 中西大藥房 | 中西大藥房 | 中西大藥房 | 中西大藥房 |

北京德隆信廣前門外觀音寺華英大藥房

●崇文門內克林碑北米市●

雲龍馬車公司製造廣告

○本
馬車上座
願者請

願者請

壯陽至寶

武士道小說出售
冊我國武士道小說係本館譯登北京琉璃廠本報分館發行
每本售洋一角

實讀病理之書。熟知生殖器病。害及全體。關係頗大。時見患者。屢蔽不言。不求治理之法。延滯日月。雖有名醫。施施妙術。其病根速不得全治。後悔無及。豈不慘哉。悲哉。生殖器病。傷害人生唯一之愉快。概掠家庭之和睦。失却生殖之功力。於不知不覺之間。陷入孤寒之苦不堪切想。可不慎哉。偶于勤務之餘暇。關於斯病。研究多載。苦心切瑣琢磨。幸得發見一種靈劑。業經屢次試用無不奏效。顯著藥力之妙。久已馳名于國內。因數年為商於大清國各地。目擊染其症之人實屬不少。向便相談。配此藥丸。運往發售特命名曰。濱野大醫生壯陽保種丸。以濟世上。供患斯病之人。挽回其不至受孤寒之苦。完全其家庭之和睦保全生殖之道。雖經年久之病。不拘老少。皆可服之。自然藥到病去。永不再發。惟望患斯症之諸君。早為採買試服。方知言之不謬也。

茲將濱野大醫生壯陽保種丸能治之功效及益增精液之妙，詳列於左

| | | | | | |
|------|------|------|------|------|------|
| 手淫過度 | 房事過度 | 陽莖萎縮 | 舉不經久 | 精冷氣衰 | 老衰不舉 |
| 少年陰虛 | 夢中遺精 | 精液缺乏 | 閨淫流精 | 不爲妊娠 | 虛弱冷症 |
| 精神衰弱 | 頭痛眩暈 | 血精不調 | 難見發育 | 記憶乏力 | 先天失調 |

後天陰萎，同衰不得愉快等種種諸症難於筆墨盡述也。

其餘他病以及無病之人皆可服之，自然精壯力健，妙不可言。誠國房中確不可缺之靈劑也。本丸劑衛生之最有益者，致于同衰之前，男女各自服三丸，自然顯出奇效之興奮，保持身體，不致于愉快樂之無窮也。藥價每瓶大洋二元，六瓶大洋十一元。

陸軍軍醫學博士濱野器
鈴木大藥房 同啟

△寄售處▽
北京東車牌樓 日華洋行 犬橋欄
屈臣氏藥房 中西大藥房 觀音寺 華英大藥房 前門外大街 信昌洋行 天津河北東亞大藥房 天津估衣街 中英大藥房 國牛車房

| | | | | | | |
|-----|----------|-----------|----------|----------|----------|----------|
| 陳唐莊 | 房上午八點 | 不賣票 | 到五點十五分 | 開上午九點 | 不賣票 | 到五點 |
| 傅家村 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 |
| 良王莊 | 開到八點五十三分 | 開到四點五十七分 | 開到九點四十三分 | 開到九點四十三分 | 開到四點五十七分 | 開到四點五十七分 |
| 獨流 | 開到九點零七分 | 開到四點四十三分 | 開到九點五十五分 | 開到九點五十五分 | 開到四點四十三分 | 開到四點四十三分 |
| 靜海縣 | 開到九點三十九分 | 開到四點四十九分 | 開到十點十二分 | 開到十點十二分 | 開到四點五十九分 | 開到四點五十九分 |
| 雙塘 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 |
| 陳官屯 | 開到十點零二分 | 開到三點四十八分 | 開到十點零二分 | 開到三點四十八分 | 開到十點零二分 | 開到三點四十八分 |
| 唐官屯 | 開到十點三十九分 | 開到三點五十五分 | 開到十點三十九分 | 開到三點五十五分 | 開到十點三十九分 | 開到三點五十五分 |
| 馬廠 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 |
| 青縣 | 開到十點五十五分 | 開到二點三十五分 | 開到十點五十五分 | 開到二點三十五分 | 開到十點五十五分 | 開到二點三十五分 |
| 興濟 | 開到十一點零七分 | 開到二點零三分 | 開到十一點零七分 | 開到二點零三分 | 開到十一點零七分 | 開到二點零三分 |
| 姚官屯 | 開到十一點三十分 | 開到一點四十八分 | 開到十一點三十分 | 開到一點四十八分 | 開到十一點三十分 | 開到一點四十八分 |
| 滄州 | 開到十二點三十分 | 開到一點三十分 | 開到十二點三十分 | 開到一點三十分 | 開到十二點三十分 | 開到一點三十分 |
| 磚河 | 開到一點一十七分 | 開到一點一十七分 | 開到一點一十七分 | 開到一點一十七分 | 開到一點一十七分 | 開到一點一十七分 |
| 馮家口 | 開到一點四十七分 | 開到一點四十七分 | 開到一點四十七分 | 開到一點四十七分 | 開到一點四十七分 | 開到一點四十七分 |
| 薛家窩 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 | 不賣票 |
| 泊頭 | 開到二點五十九分 | 開到一點五十一分 | 開到二點五十九分 | 開到一點五十一分 | 開到二點五十九分 | 開到一點五十一分 |
| 南霞口 | 開到三點五十七分 | 開到二點五十三分 | 開到三點五十七分 | 開到二點五十三分 | 開到三點五十七分 | 開到二點五十三分 |
| 東光縣 | 開到三點四十七分 | 開到二點四十六分 | 開到三點四十七分 | 開到二點四十六分 | 開到三點四十七分 | 開到二點四十六分 |
| 連鎮 | 開到三點五十七分 | 開到二點四十六分 | 開到三點五十七分 | 開到二點四十六分 | 開到三點五十七分 | 開到二點四十六分 |
| 安陵 | 開到四點二十八分 | 開到九點三十二分 | 開到四點二十八分 | 開到九點三十二分 | 開到四點二十八分 | 開到九點三十二分 |
| 桑園 | 開到四點三十七分 | 開到九點三十三分 | 開到四點三十七分 | 開到九點三十三分 | 開到四點三十七分 | 開到九點三十三分 |
| 德州 | 開到五點二十分 | 開到上午八點三十分 | 開到四點三十分 | 開到上午九點 | 開到四點三十分 | 開到上午九點 |

[illegible]

| 京門枝路 | | 往西行車 | |
|--------|--------|--------|--------|
| 里數 | 門牌 | 西便門 | 三客店 |
| 上 | 午 | 開 | 到 |
| 分五十二點十 | 分五十二點十 | 分五十二點十 | 分五十二點十 |
| 下 | 午 | 開 | 到 |
| 分十四點五 | 分十四點五 | 分十四點五 | 分十四點五 |
| 分三十三點六 | 分三十三點六 | 分三十三點六 | 分三十三點六 |
| 分三十四點六 | 分三十四點六 | 分三十四點六 | 分三十四點六 |
| 分三十五點六 | 分三十五點六 | 分三十五點六 | 分三十五點六 |
| 往東行車 | | 門牌 | |
| 里數 | 門牌 | 三客店 | 西便門 |
| 上 | 午 | 開 | 到 |
| 分四十四點七 | 分四十四點七 | 分四十四點七 | 分四十四點七 |
| 分五十五點七 | 分五十五點七 | 分五十五點七 | 分五十五點七 |
| 分五十六點八 | 分五十六點八 | 分五十六點八 | 分五十六點八 |
| 分五十七點八 | 分五十七點八 | 分五十七點八 | 分五十七點八 |
| 分五十八點八 | 分五十八點八 | 分五十八點八 | 分五十八點八 |
| 分五十九點八 | 分五十九點八 | 分五十九點八 | 分五十九點八 |
| 分六十點八 | 分六十點八 | 分六十點八 | 分六十點八 |

宣統二年四月廿四日